Ayateshifa.in

दुआ–ए–अह्द

हज़रत इमाम जाफ़र सादिक़ अलै0 से नक़्ल हुआ है कि जो शख़्स इस दुआ को चालीस दिन नमाज़े सुब्ह के बाद पढ़े तो वह इमाम के नासिरों में शुमार होगा और इमाम के ज़हूर से पहले इन्तेक़ाल कर जाए तो ख़ुदावन्दे आलम उसको क़ब्र से उठाएगा और इसकी बरकत से हज़ार नेकी लिखी जाएगी और हज़ार गुनाह मिटाए जायेंगे।

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

अल्लाहुम–म रब्बन–नूरिल अज़ीम, व–रब्बल कुरसीयिर रफ़ीइ, व–रब्बल बहरिल मस्जूर, व–मुन्ज़िलत्तौराति वल–इन्जीलि वज़्ज़बूर, व–रब्बज़्ज़िल्लि वल–हरूर, व–मुन्ज़िलल कुरआनिल अज़ीम, व–रब्बल मलाइ–कतिल मुक़र्रबीन, वल–अम्बियाइ वल मुर–सलीन, अल्लाहुम–म इन्नी अस–अलु–क बि–वजहिकल करीम, व बिनूरि वजहिकल मुनीर, व मुल्कि–कल क़दीम, या हय्यु या क़य्यूम, अस–अलु–क बिस–मिकल्लज़ी अश–रक़त

बिहिस्समावातु वल अ–र–जून, व बिस–मिकल्लज़ी यस–लुहु बिहिल–अव्वलू–न वल आख़िरून, या हय्यन क़ब–ल कुल्लि हइइंव, व–या हय्यन बअ्–द कुल्लि हइ, व–या हय्यन ही–न ला–हइ, व या मुहयियल मौता व मुमीतल अहया, या हय्यु ला इला–ह इल्ला अन–त, अल्लाहुम–म बल्लिग़ मौलानल इमामल हादियल महदीय्यल क़ाय–म बि–अम्रिक, स–ल–वातुल्लाहि अलैहि व अला आबाइहित्ताहिरीन, अन जमीइल मोमिनी न वल मोमिनाति फ़ी मशारिक़िल अरज़ि व–म–ग़ारि बिहा, सहलिहा व–ज–बलिहा, व बर्रिहा व बहरिहा, व अन्नी व–अन वालिदै–य मिनस्स–ल–वाति, ज़ि–न–त अरशिल्लाह, व–मिदा–द कलिमातिही वमा अहसाहु इल्मुह, व–अहा–त बिही किताबुह, अल्लाहुम–म इन्नी उजद्दिदु लहू फ़ी सबीहति यौमी हाज़ा, वमा इश्तु मिन अय्यामी अह्दंव व–अक़्दंव व–बै–अतल लहू फ़ी उनुक़ी, ला अहूलु अनहा वला अजूलु अ–ब–दा, अल्लाहुम्मज अलनी मिन अन्सारिही व–अअ्वानिह, वज़्ज़ाब्बी–न अन्ह, वल मुसारिई–न इलैहि फ़ी क़ज़ाइ हवाइजिह, वल

मुम–तसिली–न, लि–अवामिरिह, वल मुहामी–न अन्हु, वस्साबिक़ी–न इला इरा–दतिह, वल मुस्तश–हदी–न बै–न यदैहि, अल्लाहुम–म इन हा–ल बैनी व बै–नहुल मौत, अल्लज़ी ज–अल–तहू अला इबादि–क हत–मम मक़्ज़ीया, फ़–अख़–रिज्नी मिन क़बरी मो–त–ज़िरन क–फ़–नी, शाहिरन सैफ़ी, मुजर्रिदन क़नाती, मुलब्बियन द–अ–वतद्दाई फ़िल हाज़िरि वलबादी, अल्लाहुम–म अरिनित्तल–अतर–रशीदः, वल गुर्रतल हमीदः, वक्हुल नाज़िरी बिनज़–रतिम मिन्नी इलैहि, व–अज्जिल फ़–र–जः, व–सह्हिल मख़–र–जः, व–औसिअ् मन–ह–जः, वस्लुक बी महज्जतः, व–अन्फ़िज़ अम्रः, वश्दुद अज़रः, वाअ्मुरि, अल्लाहुम–म बिहि बिला–द–क व–अहयिबिही इबादक, फ़इन–न–क, कुल–त व–क़ौलुकल हक़्क़ु, ज़–ह–रल–फ़सादु फ़िल बर्रि वल बहरि, बिमा क–स–बत ऐदिन्नासि, फ़–अज़–हिर, अल्लाहुम–म लना वलीय्य–क वब–न बिन–ति नबीय्यकल मुसम्मा बिस–मि रसूलिक, हत्ता ला यज़–फ़–र बिशैइम मिनल बातिलि इल्ला मज़्ज़क़ह, व

युहिक़्क़ल हक़्–क़ व युहक़्क़िक़्–क़ह, वज–अल्हु, अल्लाहुम–म मफ़्–ज़अल्लि–मज़लूमि इबादिक, व–नासिरल लिमल्ला यजिदु लहू नासिरन ग़ैरक, व–मुजद्दिदल लिमा उत्ति–ल मिन अहकामि किताबिक, व–मुशय्यिदल्लिमा व–र–द मिन अअ्लामि दीनिक, व–सु–ननि नबीय्यि–क सल्लल्लाहु अलैहि व–आलिह, वजअल–हु अल्लाहुम–म मिम्मन हस्सन–तहू मिन बासिल मुअ्तदीन, अल्लाहुम–म वसुर–र नबीय्य–क मुहम्मदन सल्लल्लाहु अलैहि व–आलिही बिरूयतिही वमन तबिअहू अला दअ्वतिह, वर–हमिस–तिका न–त–ना बअ्दः, अल्लाहुम्मक–शिफ़् हाज़िहिल गुम–मः, अन हज़िहिल उम्मः, बि–हुज़ूरिही व–अज्जिल लना ज़हूरः, इन्नहुम यरौनहू बईदंव व–नराहु क़रीबन बि–रहमति–क या अर–हमर–राहिमीन, इसके बाद तीन बार दाहिनी रान पर हाथ मारें और हर बार अल–अजल, अल–अजल या मौला–य या साहिबज़्ज़मान, कहें।